UNIQUE PAPER CODE : 12107612
SEMESTER : VI
NAME OF PAPER : FEMINISM(DSE)
NAME OF THE COURSE : B.A.(HONS.) PHILOSOPHY CBCS
DURATION : 3 Hours
MAXIMUM MARKS : 75

Instruction for Candidates

i. Attempt any four questions.
किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें।

ii. All questions carry equal marks.
सभी प्रश्नों के अंक समान है।

iii. Answers may be written *either* in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.
उत्तर अंग्रेजी या हिंदी मे लेजा सकते है, लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए ।

1. "Women's history is indispensable and essential to the emancipation of women". Discuss with reference to Gerda Lerner's book Creation of patriarchy .

   "नारी इतिहास नारी मक्तिुक्ति के लिए आवश्यक और अनिवार्य है", गेर्डा लर्नरर्न की पुस्तक पितृसत्ता की उत्पत्ति के संदर्भ में इसकी विवेचना करें।

2. How does Bell Hooks define and discuss feminism ?

   बेल हुक स्त्रीवाद किस प्रकार से परिभाषित और विवेचित करती है ।

3. Critically analyse the relationship between feminism and philosophy in the context of Moira Gaten's article.

मोरिआ गेटन के लेख में वर्णित स्त्रीवाद और दर्शन के बीच के सम्बन्ध की आलोचनात्मक समीक्षा करें।

4. Explain elaborately the significance of King Janaka and Sulabha's debate as

stated by Ruth Vanita to argue that “The Self is not gendered”.

रूत वनिता के लेख “ ड सेल्फ इस नॉट जेंडर्ड”र्ड में सलुभा और राजा जनक के बीच का वाद विवाद महत्व की सवि स्तार व्याख्या करें ।

5. Did the status of women changed with advent of Islam? Discuss elaborately how women were seen in pre-islamic era in contrast to their status after the development of Islam, as mentioned in the article “Women, Religion and Social Change in Early Islam”.

क्या इस्लाम के आगमन से महिलाओं की स्थिति में कोई परिवर्तन हुआ ? लेख “वमनु , रिलिजन एन्ड सोशल चेंज इन अर्ली इस्लाम” में वर्णित महिलाओं को इस्लाम पर्व पूर्व और बाद की स्थिति का सविस्तार तुलनात्मक विवेचना करें।

6.Explain different stand points on the status of Indian women as mentioned by Uma Chakravarti in her article “Whatever Happened to the Vedic Dasi”.

उमा चक्रवर्ती के लेख “ वाटेवर हैप्पन टू द इंडियन वैदिक दासी” में वर्णित भारतीय महिलाओं की स्थिति के ऊपर विभिन्न मतों का उल्लेख करें